जब आप एक घर खरीदने के लिए लाखो करोडो रुपए खर्च कर सकते हैं, तो उसे सुरक्षित करने के कुछ हजार क्यों नहीं ?

बधाई हो! तो आपने हाल ही में अपने घर के लिए कुछ नया खरीदा है। चाहे वह घर के लिए नए पर्दे हो या नए फर्नीचर का सेट, कुछ भी सस्ता नहीं होता।

लोग घर खरीदने के लिए लाखो करोडो रुपए खर्च करते हैं और उसे सजाने मैं भी लगभग उतना ही राशि खर्च करते हैं। लेकिन वे अक्सर अप्रत्याशित घटनाओं से होने वाले आर्थिक नुकसान से घर को सुरक्षित करने की आवश्यकता को नजरअंदाज करते हैं।

भारत के विभिन्न प्रान्तों को परंपरागत रूप से कई बार बाढ़, चक्रवात, भूकंप जमीन खिसकना जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ा है।

यूनिसेफ रिपोर्ट के अनुसार, भारत के भौगोलिक क्षेत्र का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा

प्राकृतिक आपदाओं के एक या एक से अधिक प्रकार के खतरे में माना जाता है।

2000 और 2009 के बीच भारत में लगभग 650 लाख लोग को प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित थे।

2001-2010 के बीच भारत में हुई प्रमुख प्राकृतिक आपदाओं, पर एक नज़र

भुज मे भूकंप	2001
सुनामी	2004
जम्मू और कश्मीर मे भूकंप	2005
बिहार, उत्तर प्रदेश, असम, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल में बाढ़	2007 2008
पश्चिम बंगाल में चक्रवात	2009

अगर आपको विश्वास है कि आपका घर प्राकृतिक आपदा से पूर्ण तरह सुरक्षित है, तो कुछ अन्य ऐसे कारक भी हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है:

शॉर्ट सर्किट के कारण आग

चोरी

घर या सम्पति का बिमा कराने से आप उन चीजों की आर्थिक रूप से सुरक्षा कर सकते है जो आपके लिए बहुमूल्य है।

कई तरह की योजना बाजार में उपलब्ध है, जहाँ आप केवल अपने घर की संरचना को कवर करने के लिए चुन सकते हैं या घरेलू सामग्री को भी शामिल कर सकते हैं।

एक ऐसी योजना चुनने मैं ही समझदारी होगी जिसमे कई तरह के जोखिम शामिल है

अधिकांश योजनाओं में दंगे, आगजनी, आग, बिजली, तूफान, बाढ़, भूस्खलन, भूकंप, चोरी आदि के कारण नुकसान का कवर शामिल होता है।

आप अपने आभूषण जैसे क़ीमती चीजों को और टेलीविजन, रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन, म्यूजिक सिस्टम, माइक्रोवेव आदि जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का भी बीमा करवा सकते हैं। आपके पास अपनी पोलिसी में वैकल्पिक आवास के लिए किराए चुनने का विकल्प भी होता है।

घर के बीमा के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि, यह बहुत कम प्रीमियम मे उपलब्ध है। घर के लिए 20,00,000 और फर्नीचर और आभूषण जैसे सामग्री के लिए 4,00,000 रुपये का कवरेज प्रति वर्ष लगभग 4000 रुपये में आ सकता है. यदि आप इसे 365 दिनों से विभाजित करे तो यह केवल 11 रुपये प्रति दिन होता है।

तो आप किस बात का इंतजार कर रहे हैं? यदि आपके पास घर का बीमा नहीं है तो इसी समय अपने बीमा सलाहकार के साथ संपर्क करे। याद रहे जितनी जल्दी उतना बेहतर।